

बच्चे को जन्म देते ही महिला की हुई मौत

शाह टाइम्स संवाददाता
कांधला। एक महिला की प्रसव पीड़ी के दौरान महिला की हालत बिगड़ गई इन नवजात को जन्म देने के बाद महिला की मौत हो गई परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। गमगीर माहौल में महिला का सुरुपूर्ण ए खाक दिया गया।

कस्ब निवासों की एक नीस वर्षीय महिला 9 माहों की गर्भवति थी। मंगलवार की देर शाम महिला को प्रसव पीड़ी हो गई। परिजनों के अनुसार प्रसव पीड़ी होने पर महिला का गंगरू मार्मा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

डिलीवरी के दौरान महिला ने एक नवजात को जन्म दिया नवजात के जन्म देते ही महिला की हालत बिगड़ गई। निजी अस्पताल के प्रकाश डाक्टरों ने इसे संवेदन किया। आनन्-फानन में शामली अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। देर रात्रि महिला की शामली अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। महिला की मौत संपर्क में कोहराम मच गया। बुधवार को महिला के परिजनों ने विस्तृत किसी कार्रवाई के लिए रेफर कर दिया। परिजनों का रो रो कर खुला हाल हो गया। गोरतलब है कि कस्ब के

गंगरू मार्मा पर झोलाछाप चिकित्सकों ने अपना जाल लिया रखा है जिन पर भोले भाले लोगों का उपचार कर उनकी जान ले रहे हैं। बुधवार को जन्म देने के बंधन से नहीं करने पर लोगों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति रोष बना हुआ है। गंगरू मार्मा पर पूर्व झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा गलत इलाज के कारण कई लोगों ने जान जाया है। चर्चा है कि महिला की मौत डॉक्टर की मौत के लिए इलाज से हुई है। महिला की मौत के अहंकार के रूप में विकृत रूप को अहंकार के रूप में परिभासित किया गया है, जो जुलूक पहुंचने के माध्यम से उपचार करता है। यह अनियन्त्रित किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं होती है।

यह अहंकार ही गुरु के द्वारा पर

विव्रत सागर ने अमृत वाणी से किया भाव-विभोर

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के जैन धर्मशाला में बुधवार को चूर्णपान के 32वें दिन मुनिनज 108 विव्रत सागर ने प्रवचन करते हुए कहा कि अहंकार और आत्म के विरोधभासी स्वरूप पर प्रकाश डालते हैं, इसे संवेदन किकृट (बुरा) और उक्कट (सर्वश्रेष्ठ) भाव बताते हैं। इस द्वारा को समझना ही संसार के बंधन से मुक्ति का यात्रा है।

मुनिनज बताते हैं कि विव्रत सागर की सामग्री और संसार के बंधनों से मुक्त होने के कुंजी में ही संघर्ष का उपस्थिति के लिए रोष बना हुआ है। जैसे बैंक लाकर खालीन के लिए दो चाहिया होती हैं, वैसे ही मोक्ष का लाला खालीन के लिए एक चाही है। चर्चा की सामग्री और आत्मकार्य है। एक निकृत रूप को अहंकार के रूप में परिभासित किया गया है, जो जुलूक पहुंचने के माध्यम से उपचार करता है। वर्तमान (पंचम काल) में लोग सच्चे देवों की उपस्थिति के समय लापत्तवाह रहे हैं।

तीर्थंकर जीव को दिव्य दरेना (जिनवाणी) को न सुनने के परिणाम स्वरूप जीवों का मिथ्या दृष्टि रहना बताया गया है। यदि जिनवाणी गुणी होती और उसे विव्रत रहता है तो सम्यक दर्शन प्राप्त हो जाता और अब उसे साक्षात उपस्थित रहता है।

तीर्थंकर जीव को संसार में जन्म नहीं होता।

तीर्थंकर जीव को संसार में उदासीन बताया गया है, जो जल पर कमल या प्रतिविनाश की तरह रहता है।

उदासीन होते हुए उठता, उठते अंत में ममलेश जैन एवं शास्त्र भेंट इंगलेश जैन, उच्च जैन, कमल जैन, रेश, अपना आंतम सफर तय करते हैं,

अपने शरीर को कपूर की तरह लिया जिम्मेदारी उठाने के बजाय स्वयं की प्रज्ञन राजेश जैन, सीमा जैन द्वारा, पाद प्रक्षलन अनिल जैन, लूला जैन, ममलेश जैन एवं शास्त्र भेंट इंगलेश जैन, उच्च जैन, कमल जैन, रेश, सविता द्वारा किया गया।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ है।

यह अनेक लोगों के लिए रोष बना हुआ

टैरिफ पर घमासान

आखिरकार टैरिफ को लेकर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बराबर दी जा रही धमकी से भारत का अब धैर्य टूटा दिखाई दे रहा है। ट्रम्प लगातार भारत पर भारी-भरकम टैरिफ और जुर्माना लगाने की धमकी दे रहे हैं ऐसा वह इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि भारत रूस के साथ बड़ा कारोबार कर रहा है। बड़े पैमाने पर उससे तेल और गैस खोरी रहा है।

सैन्य समानों में भी वह अमेरिका के सामने रूस को तरजीह दे रहा है। जबकि रूस इन सब बातों से शक्ति पाकर यूक्रेन के लोगों को मर रहा है। उत्तर ने काफी हद तक धैर्य से काम लिया और ट्रम्प की किसी भी बात की सीधी जवाब नहीं दिया, लेकिन इसका मतलब यह है कि सारा मामला कूट्नीति स्तर से निपटे, जोकि सबसे बेहतर तरीका भी है, लेकिन बात बनती न देख सीधे समावार को अमेरिका व ई-यू को सीधे निशान पर ले लिया और कहा कि यह देश स्वयं बड़े पैमाने पर रूस से कारोबार कर रहे हैं और हमें निर्हात दे रहे हैं। भारत का कहना है कि अमेरिका अभी भी रूस से यूरोपियन, हैक्साफोराइट, खाद्य और कैमिकल्स मंगा रहा है।

जहां तक ईयू की है, पिछले 2024 में कीरीब 85 विलियन यूरो का व्यापार किया। असल में सारा झगड़ा इस बात पर है भारत के लिए अमेरिका सबसे बड़ा आयातक रहा है और दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2024 में कीरीब 130 अरब डॉलर का कारोबार हुआ है। इसमें 87 अरब डॉलर का निर्यात भारत की तरफ से अमेरिका को होता है, तो वहाँ अमेरिका को भारत की तरफ से 42 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। इस तरह व्यापार घाटा कीरीब 46 अरब डॉलर का है जो भारत के पक्ष में जाता है। अमेरिका को यही व्यापार घाटा खल रहा है और वह चाता है कि यह घाटा किसी भी कीमत पर कम किया जाए। इसी को कम करने के बाबर टैरिफ की धमकी दे रहा है डोनाल्ड ट्रम्प इस टैरिफ के जाल में इस तरह उलझ गए हैं कि उन्हें दोस्त दुश्मन में भी कोई अंतर नजर नहीं आ रहा है और वह अमेरिका के साथ अन्य देशों के संबंधों की परवाह नहीं कर रहे हैं। कई देशों से उनकी ठन सी गई दिखती है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा तो उनसे इतने खफा हैं कि उन्होंने उनसे बात करने से ही मान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्राजील पर 50 लाख रुपये देशों के किसी भी पेशकश कर रुके हैं, लेकिन लूला बात करने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि वह चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग, भारत के प्रधानमंत्री मोदी से बात करना ज्यादा पसंद करते हैं। रूस के साथ व्यापार को लेकर अमेरिका का नाम लेने पर अब डोनाल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं, जांच कराएंगे। सभी अपने-अपने विकल्प तलाश करते दिखाई दे रहे हैं। भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ऐसे माहौल में इस समय रूस के मास्कों में मौजूद हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि भारतीय विदेश मंत्री इस महीने के आखिर में रूस जा सकते हैं, जाहिर है भारत ने भी अपने पत्ते खोलने शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ज्यादा हठधर्मी से काम लेगा तो भारत के लिए विकल्प खुले हैं।

अडानी के खिलाफ जांच से मोदी चुप

अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहते उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच चल रही है, इसलिए भी मोदी अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिल रही धमकियों के जवाब नहीं दे पारे हैं, श्री ट्रम्प की बार-बार की धमकियों पर श्री मोदी की चुप्पी अमेरिका, अडानी और रूस के बीच वित्तीय संबंधों का खुलासा भी तो जारी है, इसके बाबर नहीं दे पारे हैं, श्री ट्रम्प के जाल में भी जारी है, भारत, कृपया सुम्बोध, प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति ट्रम्प की बार-बार की धमकियों के बाबत नहीं होती है, उनके सामने शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ज्यादा

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा



टे श के नागरिकों की रुचि इस हकीकत को जानने में होगी कि सत्तारूढ़ दल की नजरों में कश्मीरी और कश्मीरियों की हैसियत क्या है? क्या बही है जो दुनिया के सामने प्रदर्शित की जाती है या कुछ अलग है? उस कम्पीर की जिस पर हकीकत को लेकर पाकिस्तान अग्रजूबान भी खोलता है तो देशवारें म्यानों से बाहर आने लगती हैं। भगवा तलवारें म्यानों से खान खोलने लगती हैं। भगवा तलवारें म्यानों से खान खोलने लगती हैं। और उनके समझकों की नजरों में क्या कश्मीरी और कश्मीरियों के दर्द को समझने के लिए हमें 29 जुलाई की रात लोकसभा में दिए गए सिक्षण छह मिनटों के एक भाषण कीआत्मा में प्रवेश करना सिंदूर पर हुई धुआंधार बहस का यह दूसरा दिन था। दूर रात ही चुकी थी, सदन लगभगाली-सा था फिर भी कश्मीरी अधिकारी वाताना जाता है या फिर उनकी मांदूदारी में किसी अद्युत्य पाकिस्तान की हात्दम तलाश चलती रहती है? यानी हमें कश्मीर की तो जरूरत है कश्मीरियों की नहीं?

कश्मीर और कश्मीरियों के दर्द को समझने के लिए वहाँ यह है कि हमसराने और उनके समझकों की नजरों में क्या कश्मीरी धर्ती पर बसा कोई स्वर्ग है? एक सैरगाह है या केवल जमीन का टुकड़ा है और इसी के साथ यह कि उनकी नजरों में वहाँ बसने वाले कश्मीरियों की औनकात क्या है? क्या उन्हें भी विशालभारत देश की आत्मा की ही हिस्सा मान जाता है या फिर उनकी मांदूदारी में किसी अद्युत्य पाकिस्तान की हात्दम तलाश चलती रहती है? यानी हमें कश्मीर की तो जरूरत है कश्मीरियों की नहीं?

कश्मीर और कश्मीरियों के दर्द को समझने के लिए वहाँ यह है कि हमसराने और उनके

हमें सिर्फ कर्मीर चाहिए, कर्मीरी नहीं



पाकिस्तान के साथ जांच छिड़ने के पहले कश्मीरी के अवाम के साथ जांच छेड़ दी जाती है। बाकीयों के साथ बाद में छेड़ी जाती है। पुलवामा (14 फरवरी 2019) के लोग जब आज भी नार के लिए ट्रैकल करते हैं, हर पांच किलोमीटर पर उनकी गांड़ियों को रोका जाता है।

पहलामाम के बाके के बाद भी ऐसा ही होता है। बाकीयों के साथ पहले छेड़ दी जाती है। दो हजार से ऊपर के संसांसद थे जिन्हें बोलना था और नाशा था।

यह व्यापार नगर से चुने गए नेशनल कॉफिंस के बेटरीनी अपनी गैर-संप्रदायिकराजनीति के लिए पूरी कश्मीरी घाटी में एक पक्ष पहचान देती है। महंदी ने अपने जनताकरन तो तकतवार लहजे में खेला था।

उनके सबल का बांध टूटने लगा था। दो दिन से चल रही बहस के दोरान किसी ने भी ऐसे सवाल नहीं उठाए थे जो सांसद महंदी पूछ रहे थे। महंदी ने जब सत्ता पक्ष की ओर रुख करते हुए सवाल किया कि क्या कश्मीर आपके लिए ट्रैकल करते हैं, हर पांच किलोमीटर पर उनकी गांड़ियों को रोका जाता है।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपने जनताकरन तो तकतवार लहजे में खेला था।

यह व्यापार पर एक पक्ष से जिम्मेदारी पूरी निर्धारी है।

सांसद महंदी ने आगे कहा अफसोस इस बात का होता है कि जब भी इस तरह की घटनाएं होती हैं

उनके बाके के बाद कश्मीरी अधिकारी वाताना की लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए गए हैं।

जब बाबुनकर संसांसद महंदी ने अपनी जिम्मेदारी के बाके को लिहाज किए

